कक्षा के बाहर एवम् भीतर गतिविधियों का आयोजन एवं संगठन ⇒

विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रत्येक गतिविधि का निश्चित उद्देश्य होता है। यदि गतिविधि निर्धारित उद्देश्य को पूर्ण नहीं करती तो वह प्रासंगिक एवं सफल नहीं मानी जाती। इसलिए गतिविधियों का क्रियान्वयन उचित रूप में करना चाहिए जिससे उसके उद्देश्य प्राप्त किये जा सकें। गतिविधियों के निर्माण एवं क्रियान्वयन में निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए —

1. गतिविधियों का निर्माण करते समय बालकों के सीखने के स्तर को ध्यान में रखना चाहिए अर्थात् गतिविधि के माध्यम से बालक के सीखने के स्तर में वृद्धि होनी चाहिए।
2. गतिविधि का निर्माण विषय केन्द्रित होना चाहिए जैसे पर्यावरणीय अध्ययन के लिए जिस गतिविधि का निर्माण किया जा रहा है, वह विषय रूप से भौतिक, जैविक एवं मनोसामाजिक पर्यावरण में से किसी एक से अनिवार्यतः सम्बन्धित होनी चाहिए।
3. गतिविधियों की क्रियान्वयन की व्यवस्था प्रारम्भ से ही होनी चाहिए तथा उसमें प्रत्येक छात्र की सहभागिता का निर्धारण प्रारम्भ से कर देना चाहिए।
4. प्रत्येक गतिविधि का निर्माण विद्यालय में उपलब्ध भौतिक एवं मानवीय संसाधनों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
5. गतिविधियों के निर्माण में बालकों की भूमिका अधिक होना चाहिए अर्थात गतिविधियाँ बालकेन्द्रित होनी चाहिए जिसमें शिक्षक का हस्तक्षेप कम होना चाहिए।
6. गतिविधियों में प्रत्येक छात्र को उसकी योग्यता एवं रुचि के अनुसार कार्य मिलना चाहिए।

कक्षा के भीतर पर्यावरण गतिविधियों का आयोजन ⇒

कक्षा कक्ष के अन्तर्गत सम्पन्न की जाने वाली अधिगम गतिविधियों के आयोजन के निश्चित नियम होते हैं तथा एक निश्चित समय होता है। इसलिए इनको औपचारिक अधिगम गतिविधियों के नाम से जाना जाता है। कुछ प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं —

1. **लेखन क्रियाकलाप ⇒** इसके अन्तर्गत प्राथमिक स्तर पर कक्षा के छात्रों को लेख लेखन के लिए आदर्श वाक्य दिये जा सकते हैं। कक्षा एक के छात्रों को विभिन्न प्रकार के

Scanned with CamScanner

अक्षर कार्ड देकर शब्दों का निर्माण सम्बन्धी कार्य दिया जा सकता है तथा इन शब्दों को छात्रों को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर लिखने के लिए दिये जा सकते हैं।

2. कहानी का सुनना तथा सुनाना ⇒ इस क्रियाकलाप के अन्तर्गत छात्रों को ध्यान पूर्वक कहानी सुनने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। कहानी सुनने के पश्चात छात्रों से प्रश्न पूछ कर स्थिति ज्ञात की जा सकती है। द्वितीय रूप में उनको कहानी कहने के अवसर दिये जाते हैं। इससे छात्रों में एक ओर तो श्रवण एवं वाचन कौशल विकसित होते हैं

3. चित्रकला सम्बन्धी क्रियाकलाप ⇒

4. वस्तुओं को पहचानना ⇒

5. व्याख्या करना ⇒

6. अन्त्याक्षरी ⇒

7. कविता पाठ ⇒

8. सामान्यीकरण ⇒ इस सोपान के अनुसार छात्रों को सामान्यीकरण की प्रक्रिया का ज्ञान कराया जाता है, जैसे —

उदाहरण ⇒

$2 \times 10 = 20$

$2 \times 100 = 200$

$2 \times 1,000 = 2,000$

$2 \times 10,000 = 20,000$

इस प्रकार छात्र समझ जाते हैं कि गणित में 10, 100, 1000 तथा 10,000 का गुणा किसी संख्या से करने पर उस संख्या के अन्त में क्रमश 1, 2, 3 तथा 4 शून्य बढ़ा दिये जाते हैं।

Scanned with CamScanner

कक्षा के बाहर पर्यावरण गतिविधियों का आयोजन ⇒

कक्षा के बाहर पर्यावरण गतिविधियों के आयोजन को निम्न प्रकार से कराया जा सकता है—

1. क्षेत्रीय भ्रमण ⇒
2. समाचार-पत्र ⇒
3. दूरदर्शन ⇒
4. संगीत ⇒
5. नाटक सम्बन्धी क्रियाकलाप ⇒
6. कठपुतली सम्बन्धी नृत्य क्रियाकलाप ⇒
7. लोकगीत एवं लोकनृत्य ⇒
8. खेल के मैदान का सफाई कार्य ⇒
9. विभिन्न प्रकार के खेल सम्बन्धी क्रिया कलाप ⇒
10. सामाजिक कार्य सम्बन्धी क्रियाकलाप ⇒

Scanned with CamScanner